

न्यायालय राजस्व मण्डल, म०प्र० ग्वालियर
समक्ष
एम०के०सिंह
सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 1140/तीन/2008 - विरुद्ध आदेश
दिनांक 22-5-1998 - पारित द्वारा - अपर आयुक्त, चम्बल
संभाग, मुरैना - प्रकरण 18/1995-96 निगरानी

रणवीर सिंह पुत्र श्यामलाल
निवासी ग्राम मोतीपुरा
तहसील व जिला भिण्ड मध्य प्रदेश
विरुद्ध

---आवेदक

1- नरेश सिंह पुत्र नाथूसिंह यादव
ग्राम उमरी सिपाही नं.21554265
डब्लू 656 इंजीनियर विजिग
यूनिट 56 ए.पी.ओ.

---असल अनावेदक

2- नाथू पुत्र मानपाल यादव

निवासी थाना उमरी तहसील भिण्ड

3- श्रीमती शोतिदेवी पत्नि जगदीशसिंह

ग्राम गोहद तहसील गोहद जिला भिंड

4- श्रीमती दयवन्ती पत्नि हरीशंकर

5- श्रीमती अलका देवी पत्नि बलीप यादव
दोनो ग्रामविलाव तहसील व जिला भिंड

6- अभिलाख सिंह पुत्र श्यामलाल यादव

ग्राम भौतीपुरा तहसील व जिला भिंड

-- तरतीवी अना०

(आवेदक के अभिभाषक श्री एस०के०अवस्थी)

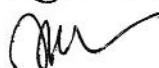
(अनावेदक 1 से 3 एकपक्षीय)

(शेष अनावेदक तरतीवी पक्षकार - सूचना आवश्यक नहीं)

आ दे श

(आज दिनांक ७ - 1 - 201६ को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा
प्रकरण क्रमांक 18/1995-96 निगरानी में पारित आदेश दिनांक
22-5-1998 के विरुद्ध म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959 की
धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।



2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि ग्राम उमरी तहसील भिण्ड स्थित खाता क्रमांक 136 पर धारित कुल किता 10 कुल रकबा 2.937 हैक्टर के सामिलाती खातेदार रणवीर सिंह, अभिलाख सिंह, मोहरसिंह, नरेशसिंह हैं। आवेदक ने मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के अंतर्गत बटवारे हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। नायव तहसीलदार भिण्ड ने प्रकरण क्रमांक 22/89-90 - 178 दर्ज कर आदेश दिनांक 17.12.1992 से बटवारा कर दिया। इस आदेश के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी, भिण्ड के समक्ष अपील होने पर प्रकरण क्रमांक 65/92-93 अपील में पारित आदेश दिनांक 24-9-95 से नायव तहसीलदार का आदेश निरस्त कर प्रकरण पुनः सुनवाई हेतु प्रत्यावर्तित किया गया। इस आदेश के विरुद्ध अपर कलेक्टर भिण्ड के समक्ष निगरानी होने पर प्रकरण क्रमांक 83/94-95 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 10.10.1995 से अनुविभागीय अधिकारी के आदेश दिनांक 24.9.95 निरस्त कर नायव तहसीलदार के आदेश दिनांक 17-12-92 को स्थिर रखा गया। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना के समक्ष निगरानी होने पर प्रकरण क्रमांक 18/95-96 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 22-5-1998 से अपर कलेक्टर, भिण्ड के आदेश दिनांक 10.10.1995 को निरस्त किया गया तथा अनुविभागीय अधिकारी भिण्ड का आदेश दिनांक 24-9-1995 स्थिर रखा गया। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी प्रस्तुत की गई है।

3/ निगरानी मेमो में उठाये गये बिन्दुओं पर आवेदक के अभिभाषक के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।



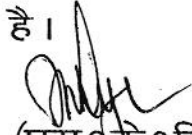
4/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन पर स्थिति यह है कि अपर कलेक्टर भिण्ड ने अनुविभागीय अधिकारी भिण्ड के आदेश दिनांक 24-9-1995 को निरस्त करते हुये नायव तहसीलदार के आदेश दिनांक 17-12-92 को स्थिर रखा है, जबकि नायव तहसीलदार द्वारा की गई कार्यवाही के अवलोकन से बटवारा कार्यवाही दूषित प्रक्रिया पर आधारित होकर संहिता की धारा 178 के अनुरूप होना नहीं पाई गई है क्योंकि हलका पटवारी ने जिन फर्दों को नायव तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत किया है फर्द पर किसी भी पक्षकार के सहमति/असहमति वावत् हस्ताक्षर नहीं हैं और इसी दूषित फर्द को सही मानकर नायव तहसीलदार ने बटवारा आदेश दिनांक 17-12-92 पारित किया है। बटवारे हेतु प्रस्तुत फर्द पर नरेश सिंह ने आपत्ति प्रस्तुत की थी, परन्तु नायव तहसीलदार ने इस आपत्ति का निराकरण भी नहीं किया, अर्थात् संहिता की धारा 178 के अंतर्गत दर्शित बटवारा नियमों का पालन किये बिना नायव तहसीलदार ने आदेश दिनांक 17-12-92 पारित किया है जिसे अनुविभागीय अधिकारी ने भलीभाँति परीक्षण कर सभी सहस्त्रातदारों से दावा-आपत्ति आमंत्रित करने हेतु एवं अपना अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु नायव तहसीलदार का आदेश निरस्त कर प्रकरण पुनः सुनवाई हेतु वापिस किया था, जिसमें किसी प्रकार का दोष नजर नहीं आता, परन्तु अपर कलेक्टर भिण्ड ने प्रकरण क्रमांक 83/94-95 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 10.10.1995 से अनुविभागीय अधिकारी के विधिवत् आदेश को निरस्त कर पक्षकारों के बीच व्यर्थ मुकदमेवाजी बढ़ाई है क्योंकि अब तक तहसील न्यायालय में पक्षकारों के बीच सुनवाई उपरांत बटवारा कार्यवाही हो गई होती। इन्हीं कारणों से

for



विद्वान अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना ने प्रकरण क्रमांक 18/1995-96 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 22-5-1998 से अपर कलेक्टर भिण्ड के त्रुटिपूर्ण आदेश दिनांक 10.10.95 को निरस्त किया है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 18/1995-96 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 22-5-1998 विधिवत् पाये जाने से स्थिर रखा जाता है एवं निगरानी अस्वीकार की जाती है।


(एम०के०सिंह)
सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर

for